बैचलर ऑफ आर्ट्स (संस्कृत) Bachelor of Arts (Sanskrit)

तृतीय सेमेस्टर, बी0ए0एस0एल (N)- 201

संस्कृत नाट्य साहित्य

अनुक्रम

खण्ड- एक संस्कृत नाट्य साहित्य का इतिहास	**पृष्ठ संख्या 1- 4**
इकाई-1 संस्कृत नाट्य परम्परा उद्भव एवं विकास	05-12
इकाई.2 संस्कृत नाट्यसाहित्य के प्रमुख नाट्यकार एवं उनके नाटक	13-42
इकाई-3 नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों का परिचय	43-63
इकाई-4 प्रमुख नाट्य तत्वों का परिचय	64-75
इकाई-5 रूपक के भेद	76-85
खण्ड- दो अभिज्ञानशाकुन्तलम् : प्रथम-द्वितीय एवं तृतीय अंक	**पृष्ठ संख्या 86**
इकाई-1 महाकवि कालिदास का जीवनवृत्त एवं उनकी काव्यप्रतिभा	87-105
इकाई-2 अभिज्ञानशाकुन्तलम्–कथावस्तु एवं पात्रों का परिचय	106-118
इकाई-3 अभिज्ञानशाकुन्तलम् प्रथम अंक : मूलपाठ, अर्थ एवं व्याख्या	119-144
इकाई-4 अभिज्ञानशाकुन्तलम् द्वितीय अंक : मूलपाठ, अर्थ एवं व्याख्या	145-164
इकाई-5 अभिज्ञानशाकुन्तलम् तृतीय अंक : मूलपाठ , अर्थ एवं व्याख्या	165-180
खण्ड- तीन अभिज्ञानशाकुन्तलम् : चतुर्थ एवं पंचम अंक	**पृष्ठ संख्या 181**
इकाई-1अभिज्ञानशाकुन्तलम् चतुर्थ अंक :	
श्लोक संख्या 01 से 11 तक मूलपाठ, अर्थ एवं व्याख्या	182-198
इकाई-2 अभिज्ञानशाकुन्तलम् चतुर्थ अंक :	
श्लोक संख्या 12 से 22 तक मूलपाठ, अर्थ एवं व्याख्या	199-211
इकाई-3 अभिज्ञानशाकुन्तलम् पंचम अंक :	
श्लोक संख्या 01 से 15 तक मूलपाठ, अर्थ एवं व्याख्या	212-225
इकाई-4 अभिज्ञानशाकुन्तलम् पंचम अंक :	
श्लोक संख्या 16 से 31 तक मूलपाठ, अर्थ एवं व्याख्या	226-239
इकाई-5 अभिज्ञानशाकुन्तलम् की महत्वपूर्ण सूक्तियों की व्याख्या	240-255